30.08.2023

तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने किया लुवास दौरा

दैनिक भास्कर
हिसार भास्कर 30-08-2023

तंजानिया के सोकोइन कृषि विवि के प्रतिनिधिमंडल ने किया लुवास दौरा

हिसार । लुवास द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनुसन्धान एवं शैक्षणिक क्षेत्रों में आपसी सहयोग द्वारा पशुचिकित्सा एवं पशुपालन क्षेत्र की उन्नति के लिए प्रयत्न किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय (एसयूए), तंजानिया के प्रतिनिधिमंडल ने लाला लाजपतराय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल में प्रो. अमांडस मुहैरवा, उप-कुलपति-योजना,वित्तीय एवं प्रशासनिक विभाग; प्रो. बोनिफेस मबिलिनी, डीन, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी; प्रो. जेफ्रीकरुगिला, प्रिंसिपल, कॉलेज ऑफ नेचुरल एंड एप्लाइड साइंसेज; डॉ. चार्ल्स लिमो,वरिष्ठ व्याख्याता, पशु, जलीय कृषि और रेंज विज्ञान विभाग एवं पीटर मवाकिलुमा, निदेशक, मानव संसाधन और प्रशासन शामिल थे। लुवास पहुंचने पर डॉ. नरेश जिंदल, अनुसंधान निदेशक और डॉ. गुलशन नारंग अधिष्ठाता, पशु चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा स्वागत किया गया। कुलपति लुवास प्रो (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कुलपति सचिवालय के समिति

कक्ष में प्रतिनिधिमंडल की विश्वविद्यालय के सभी अधिकारीगण के साथ बैठक हुई। डॉ. वर्मा ने कहा की दोनों विश्वविद्यालय विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर काम कर सकते हैं और एक दूसरे से काफी कुछ सीख सकते हैं। उन्होंने कहा की एसयूए विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी प्रशिक्षण के लिए लुवास आ सकते है। लुवास की तरफ से अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल, पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. गुलशन नारंग, कुलसचिव डॉ. एसएस ढाका, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डीएस दलाल, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं विस्तार शिक्षानिदेशक डॉ. मनोज रोज, आईपीवीएस निदेशक डॉ. सतपाल दहिया व लेखा नियंत्रक सुरेन्द्र उपस्थित रहे।

हिसार जागरण 30.08.2023

तंजानिया के कृषि विवि के प्रतिनिधिमंडल ने किया लुवास का दौरा

जागरण संवाददाता, हिसार: लाला लाजपतराय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनुसन्धान एवं शैक्षणिक क्षेत्रों में आपसी सहयोग द्वारा पशुचिकित्सा एवं पशुपालन क्षेत्र की उन्नति के लिए प्रयत्न किए जा रहे है। इसी कड़ी में सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय (एसयूए) तंजानिया के प्रतिनिधिमंडल ने लुवास का दौरा किया।

प्रतिनिधिमंडल में उप-कुलपति-योजना, वित्तीय एवं प्रशासनिक विभाग प्रो. अभांडस मुहैरवा, डीन, स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी प्रो. बोनिफेस मबिलिनी, प्रिंसिपल कालेज आफ नेचुरल एंड एप्लाइड साइंसेज प्रो. जेफ्रीकरुगिला, वरिष्ठ व्याख्याता पशु, जलीय कृषि और रेंज विज्ञान विभाग डा. चार्ल्स लिमो एवं निदेशक मानव संसाधन

तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय का प्रतिनिधिमंडल व लुवास के कुलपति प्रो विनोद कुमार वर्मा बैठक करते हुए। ● पीआरओ

और प्रशासन पीटर मवाकिलुमा शामिल थे।

कुलपति लुवास प्रो (डा.) विनोद कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कुलपति सचिवालय के समिति कक्ष में प्रतिनिधिमंडल की विश्वविद्यालय के सभी अधिकारीगण के साथ बैठक हुई। डा. वर्मा ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालय विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर काम कर सकते है और एक दूसरे से काफी कुछ सीख सकते है। उन्होंने कहा कि एसयूए विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी प्रशिक्षण के लिए लुवास आ सकते हैं। लुवास की तरफ से अनुसंधान निदेशक डा. नरेश जिंदल, पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. गुलशन नारंग, कुलसचिव डा. एसएस ढाका, छात्र कल्याण निदेशक डा. डीएस दलाल, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं विस्तार शिक्षानिदेशक डा. मनोज रोज, आइपीवीएस निदेशक डा. सतपाल दहिया व लेखा नियंत्रक सुरेन्द्र उपस्थित रहे।

बैठक में एसयूए तंजानिया के उप-कुलपति प्रो. अभांडस मुहैरवा ने एसयूए की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। प्रो. मुहैरवा ने कहा कि उनके देश की लुवास विश्वविद्यालय के साथ सम्झौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने में बहुत रुचि है। विज्ञान और पशु किसानों के कल्याण के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच प्रभावी पारस्परिक सहयोग जल्द से जल्द शुरू किया जा सके।

लुवास की तरफ से डा. नरेश जिंदल की ओर से विश्वविद्यालय में किए जा रहे शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों का विवरण दिया गया। इसके उपरांत टीम ने विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सालय, पशु जैवप्रौद्योगिकी विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं, पशु चिकित्सा रोग विज्ञान के संग्रहालय, खाद्य सुरक्षा प्रयोगशाला (पशु चिकित्सा जन स्वास्थ्य एवं जानपदिक रोग विज्ञान विभाग) और पशु चिकित्साशरीर रचना के संग्रहालय का दौरा किया। टीम द्वारा दूसरे दिन विश्वविद्यालय के निर्माणाधीन कैंपस का भी दौरा किया गया। प्रो. अभांडस मुहैरवा ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य एसयूए और लुवास के बीच पारस्परिक हित, क्षमता निर्माण आदि क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान की संभावना तलाशना था।